



गर्भसमापन (अबॉर्शन)
“जितना जल्दी उतना सुरक्षित”



सुरक्षित
गर्भसमापन (अबॉर्शन)



यह पुस्तिका आशा कार्यकर्ता, ए.एन.एम,
आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा अन्य सामुदायिक
कार्यकर्ताओं द्वारा उपयोग के लिए है।



सुरक्षा चक्र टूटा, गर्भ ठहरा!



महिला द्वारा कॉपर-टी
ना लगवाए जाने पर ।



पुरुष द्वारा कंडोम प्रयोग
ना किए जाने पर ।



स्तनपान कराने की
अवधि में गर्भनिरोधक
ना अपनाने पर ।



रोजाना गर्भनिरोधक गोली
का सेवन ना करने पर ।



अनचाहा गर्भ ?

गर्भनिरोधक साधनों का नियमित उपयोग करें

गर्भसमापन (अबॉर्शन) कब कानूनन वैध...

याद रखें यदि महिला 18 साल या उससे अधिक आयु की है, तथा मानसिक रूप से स्वस्थ है, तो गर्भसमापन (अबॉर्शन) सिर्फ उसकी स्वीकृति से किया जा सकता है।



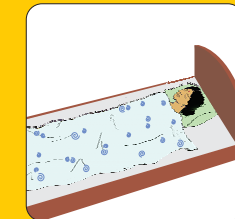
दम्पति में गर्भनिरोधक साधनों के विफल हो जाने पर।



होने वाले शिशु में गंभीर जन्मजात विकृति होने की संभावना पर।



जबरन संभोग द्वारा गर्भ ठहरने पर।



गर्भवती की मानसिक/शारीरिक स्वास्थ्य को गंभीर क्षति की संभावना, या उसकी जान को खतरा।

गर्भसमापन (अबॉर्शन) कब कानूनन सही...

आपातकालीन गर्भनिरोधक गोली,
(इमरजेन्सी कौन्ट्रासैप्शन पिल या EC
PILL) गर्भसमापन (अबॉर्शन) की गोली
नहीं है।



4½ माह की गर्भावस्था तक।



प्रशिक्षित डॉक्टर की सलाह
से ली गई गर्भसमापन
(अबॉर्शन) की गोलियों या
एम.वी.ए. द्वारा।



प्रशिक्षित डॉक्टर द्वारा
गर्भसमापन (अबॉर्शन)
किया जाना।



सुविधायुक्त सरकारी
अस्पताल अथवा मान्यता
प्राप्त प्राइवेट अस्पताल में।

गर्भसमापन (अबॉर्शन) कब सही नहीं।

असुरक्षित गर्भसमापन महिला
की जान को खतरा।



जब गर्भ 4½ माह से अधिक
अवधि का हो।



नीम हकीम अथवा दाई
द्वारा गर्भसमापन
(अबॉर्शन) करवाना।



जब लिंग जाँच इसका
आधार हो।

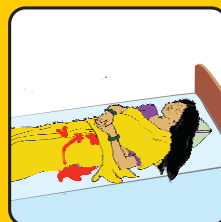


अनाधिकृत व्यक्ति और
घरेलू तरीकों द्वारा
गर्भसमापन (अबॉर्शन)
करवाना।

अप्रशिक्षित डाक्टर से गर्भसमापन (अबॉर्शन) कराने के दुष्परिणाम!!!



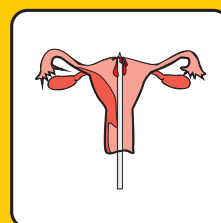
गर्भसमापन (अबॉर्शन) केवल सरकारी या मान्यता
प्राप्त प्राइवेट अस्पताल से कराये।



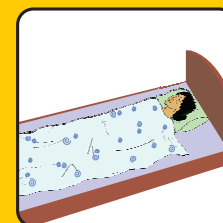
योनिमार्ग से लगातार
खून बहना।



दोबारा गर्भधारण ना होना।



बच्चेदानी में छेद व
आंत में चोट।



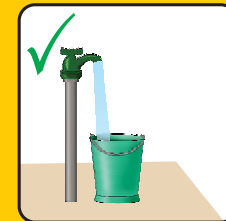
संक्रमण/खून में इन्फेक्शन,
गर्भवती की जान
को खीरा।

गर्भसमापन (अबॉर्शन) के बाद की सावधानियाँ...

क्या करें तथा क्या ना करें



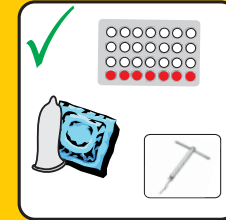
गर्भसमापन (अबॉर्शन)
के एक सप्ताह या रक्तस्राव
के रुकने तक संभोग न करें।



योनि की सफाई केवल
साफ पानी से करें।



केवल सेनिटरी पैड या
साफ कपड़े का ही
प्रयोग करें।



गर्भनिरोधक साधन जैसे
गोली / कंडोम / कॉपर-टी का
नियमित प्रयोग करें।

गर्भसमापन (अबॉर्शन) के बाद खतरे के लक्षण!!!

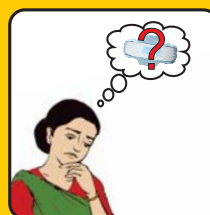
खतरे के लक्षण दिखने पर तुरंत
नजदीकी डॉक्टर से सलाह ले।



सामान्य से अधिक या
2 सप्ताह तक खून बहना।



जी धबराना / उल्टी आना
चक्कर या बेहोशी आना।



6 सप्ताह तक माहवारी
का शुरू ना होना।



पेट के निचले भाग में
दर्द व बुखार।